कामधेनु मंगल परिवार

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन

द्वारा महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आईकॉन अवॉर्ड

मुख्य अतिथि श्री ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष, सानिध्य परमपुज्य श्री ज्ञानानंद जी महाराज राष्ट्रीय चेयरमैन श्री प्रदीप मित्तल व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता के कर कमलों से सम्मानित हुई अग्रवाल समाज की देश विदेश की 51 हस्तियां

कामधेनु मंगल परिवार - कामधेनु हॉस्पिटल बहादुरगढ़ के अध्यक्ष श्री ईश्वर चंद बंसल जी को

अग्र गौरव अवॉर्ड गौ सेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया

अध्यक्ष डॉ. ईश्वर चंद बंसल जी, महामंत्री श्री रमेश गर्ग जी, संरक्षकों तथा कार्यकारिणी सदस्यों के साथ अवॉर्ड लेते हुए

महामंत्री श्री रमेश गर्ग जी, संरक्षकों तथा कार्यकारिणी सदस्यों के साथ अवार्ड लेते हुए ।

5th दिल्ली श्री अवार्ड्स

स्वास्थ्य सेवा अवार्ड

गौमाता के उपचार हेतु विश्व का पहला कामधेनु हॉस्पिटल 12 मार्च 2023 को समर्पित हो गया, जिसका उद्घाटन कन्हैया लाल जी ने किया था। कामधेनु मंगल परिवार ने इस हॉस्पिटल का निर्माण करवाया है। कामधेनु मंगल परिवार के संस्थापक महामंत्री रमेश गर्ग का कहना है कि संस्था का उद्देश्य यह है कि गाय चाहे आखिरी सांस ही ले रही हो, उसे बचाया जाए। जिस प्रकार हम अपने निकट संबंधियों को भी अंतिम सांस तक नहीं छोड़ते, उसी भाव से कामधेनु हॉस्पिटल में गौमाता का उपचार किया जाता है। दिल्ली-एनसीआर में कहीं भी सड़क पर घायल गाय पड़ी होने की खबर मिले, उसे एम्बुलेंस द्वारा लाकर उसका उपचार किया जाता है। रमेश गर्ग ने बताया कि हमने अलीगढ़ से भी गाय को उपचार के लिए उठाया और उसे वृन्दावन शिफ्ट किया।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में कामधेनु हॉस्पिटल और इसकी गऊशाला में 370 गाय हैं, जिनके उपचार के लिए 7 वीएससी डॉक्टर्स और दो सीनियर डॉक्टर हैं। केस ज्यादा आने पर और डॉक्टर भी बाहर से बुला लिए जाते हैं। गौमाता के संरक्षण एवं उपचार हेतु भारत में बहुत सी संस्थाएं गौशाला चलाकर अपनी सेवाएं दे रही हैं, परन्तु गौमाता को उपचार देने के लिए जो समर्पण कामधेनु मंगल परिवार ने दिखाया है, उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। संस्था ने बहादुरगढ़ के गांव बालौर में गौमाता के उपचार हेतु कामधेनु हॉस्पिटल का निर्माण किया। रमेश गर्ग ने बताया कि कामधेनु हॉस्पिटल की स्थापना का विचार हमारे मन में श्री गोपालमणि जी महाराज की गौकथा के माध्यम से आया। इस कथा का आयोजन विश्व मंदिर जनपथ पार्क में 2014 में किया गया। कथा की समाप्ति के बाद सभी के मन में यह विचार आया कि इसे कथा तक सीमित न रखें, गौ सेवा का संकल्प आगे बढ़ाया जाए। सभी ने यह निर्णय लिया कि जो घायल गाय सड़कों पर पड़ी होती हैं, क्यों न उन्हें उठाकर उनका उपचार किया जाए। शुरुआत 2 एम्बुलेंस लेकर की गई। संजय गांधी हॉस्पिटल राजा गार्डन से सम्पर्क किया गया। घायल गाय कहीं से भी मिलती उसे एम्बुलेंस द्वारा संजय गांधी हॉस्पिटल उपचार के लिए पहुंचाया जाता। फिर हम देखकर भी आते थे कि हमारी गायों का उपचार ठीक तरह से हो रहा है या नहीं। दुखियों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ हमारा हौसला बुलंद हुआ और विचार किया कि क्यों न हम अपना एक हॉस्पिटल बनाएं, जहां घायल गायों का उपचार भी सुपर-स्पेशल हो और हमारी संतुष्टि का स्तर भी बढ़े। इसके लिए दिल्ली में जगह ढूंढी गई लेकिन दिल्ली में यह मुमकिन नहीं था। इसलिए हमने बहादुरगढ़ बाईपास पर लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर बालौर गांव में हॉस्पिटल हेतु एक एकड़ जमीन खरीदी। 2015 में हॉस्पिटल के लिए भूमि पूजन किया गया। उन्होंने कहा कि वैटेनरी डॉक्टर बहुत कम मिलते हैं। हॉस्पिटल के जरिए हम नए डॉक्टर भी तैयार करना चाहते थे। इसके लिए 5-6 एकड़ जमीन चाहिए थी। आज हमारी एम्बुलेंस की संख्या चार हो गई है जो चौबीस घंटे सड़कों से घायल गाय इलाज के लिए उठा रही हैं। संस्था ने एक एकड़ जमीन और ले ली है जिसमें गऊशाला बन चुकी है। गऊशाला हेतु एक एकड़ जमीन सूरजमल विहार दिल्ली निवासी जगन्नाथ अग्रवाल ने दी है। संस्था के अब तक 2025 ट्रस्टी बन चुके हैं और वही सारा खर्च वहन करते हैं। रमेश गर्ग ने बताया कि गऊशालाएं बहुत हैं परन्तु गाय के उपचार हेतु जो हॉस्पिटल बनाया गया, उसे देखकर कोई भी इससे जुड़े बिना नहीं रह सकता। गऊशालाओं में भी गऊ सेवा होती है, परन्तु एक मरणासन्न गाय का उपचार करके उसका जीवन बचाना बहुत ही पुण्य कार्य है। जिस प्रकार हम अपनी मां के उपचार पर ध्यान देते हैं, ठीक उसी भाव से गायों का उपचार इस वातानुकूलित हॉस्पिटल में किया जाता है। यह विश्व का ऐसा एकमात्र गऊ हॉस्पिटल है। रमेश गर्ग ने समस्त देशवासियों से अपील की है कि वह खाने-पीने की वस्तुएं प्लास्टिक की थैली में डालकर कूड़े में न फेंकें क्योंकि इन्हें गाय खा जाती हैं जो उनके पेट में ही रहती हैं। 50 प्रतिशत गाय की मौत प्लास्टिक की इन थैलियों की वजह से होती है।

पाँचवें दिल्लीश्री अवार्ड्स समारोह के इस विशाल मंच से स्वास्थ्य क्षेत्र में कामधेनु हॉस्पिटल (बहादुरगढ़) के लिए कामधेनु मंगल परिवार के संस्थापक महामंत्री रमेश गर्ग को सम्मानित करते हुए आज हमें अपार हर्ष हो रहा है।

Helping Cows

KAMDHENU MANGAL PARIVAR